MoU with Sterling Resorts for new trains

*248. SHRI GAYA SINGH:†
SHRI P. PRABHAKAR REDDY:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have signed A MoU with Sterling Resorts, a major company in the travel and holiday resorts business, to run its own trains on the Indian Railways' network;

(b) if so, the details of the MoU signed, including the position of the Railways to receive the haulage charges and a share in the profits, to be earned by the above firm; and

(c) by when the scheme is likely to be operational?

रेल मंत्री (श्री नीतिश कुमार): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

(क) जी हां। पर्यटन गाड़ियों के स्वामित्व, विपणन और प्रबंधन के लिए रेल मंत्रालय द्वारा मंगाई गई विश्व निविदाओं के आधार पर निम्नलिखित दो सर्किटों के संबंध में एक ठेका मैसर्स स्टर्लिंग हॉलीडे रिज़ार्ट्स (इंडिया) लि०, चेन्नै को दिया गया है:—

(1) दिल्ली - जयपुर - आगरा - ग्वालियर - झांसी
(खजुराहो) - वाराणसी - लखनऊ -दिल्ली

(2) बेंगलूरु - मैसूर - चेन्नै - कोड्ईकनाल रोड़ - कन्याकुमारी - तिरवनंतपुरम - कोचीन - मैट्टूपाल यम (ऊटी) - बेंगलूरु

(ख) समझौते के अनुसार, संचालक भारतीय रेलवे को ढुलाई प्रभार और सकल टर्नओवर के एक निश्चित प्रतिशत का भुगतान करेगा। पर्यटन गाड़ियों पर पूंजी निवेश संचालक द्वारा वहन किया जाएगा।

(ग) वर्ष 2000 में।

श्री गया सिंह: माननीय सभापति महोदय, माननीय रेल मंत्री जी ने जो जवाब दिया है वह जवाब तो ठीक है लेकिन मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि हमारे प्रगतिशील नीतिश बाबू पहली बार अगली शताब्दी के पहले रेलवे में निजीकरण करने जा रहे हैं। मैं इनसे यह कहना चाहता हूं कि जो रेलवे की अर्निंग है, सबसे ज्यादा जहां से लाभ होने वाला है, उन स्टेशनों में प्राइवेट टूरिज़्म के नाम पर इन्होंने ग्लोबल टेंडर किया है। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह जरूरी है कि दिल्ली से लेकर तमाम जो टूरिस्ट एरियाज़ है जिसमें ज्यादा विदेशी लोग आते है और रेलवे को ज्यादा से ज्यादा आमदनी हो रही है तो क्या असेसमेंट इन्होंने किया था कि इससे रेलवे को कितनी हानि हो सकती है? क्योंकि अभी जो अच्छी गाड़िया वहां चल रही है, उसमें नुकसान हो सकता है।

दूसरा इसी के साथ मुझे कहना है कि इस संबंध में आमदनी के बारे में गोलमोल जवाब इन्होंने दिया है। कितनी आमदनी रेलवे की होगी, इसका अगर कोई असेसमेंट किया है तो बताने की कृपा करें।

श्री नीतिश कुमार: सर, ये टूरिस्ट ट्रेन्स है और रेलवे ने पांच रूट निर्धारित किए थे जिसके लिए ग्लोबल टेंडर किया। उस ग्लोबल टेंडर के हिसाब से तीन पार्टीज़ आई थीं अलग-अलग रुट्स के लिए। उसमें से दो पार्टियां निकल गई और एक ही पार्टी बची जिसके लिए दो रुट्स के बारे में इन लोगों के साथ बातचीत हुई। यह हमारे जमाने की बात नहीं है। हम इनको बता देना चाहते है कि इसके संबंध में एम०ओ०यू० पर दस्तखत हुए थे, मैसर्स स्टर्लिंग हॉलिडे रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड का एग्रीमेंट हुआ था रेलवे के साथ। उस समय के मिनिस्टर ऑफ स्टेट फॉर रेलवेज़ श्री सुरेश कलमाडी की मौजूदगी में यह समझौता हुआ। उस एम०ओ०यू० के हिसाब से इस पर काम चल रहा है। उन लोगों ने कुछ और संशोधन की पेशकश की है, मांग की है। उसके बारे में रेलवे बोर्ड में एक्टिव कंसिडरेशन चल रहा है और इस दो रूट पर टूरिस्ट ट्रेन चलाने की घोषणा वर्ष 1998-99 के बजट में की गई थी। इसमें वे हॉलेज चार्ज हमको देंगे। वह ट्रेन प्राइवेट पार्टी की होगी, वही ओर करेंगे ट्रेन को और उस पर हॉलेज चार्ज हमको देंगे। अर्नेस्ट मनी हर रूट पर 15 लाख रुपया जमा कर रहे हैं। इसके अलावा वे हमें हॉलेज चार्ज देंगे और जो भी टर्नओवर उनका होगा, उस पर अलग-अलग रूट्स पर, एक पर 21 प्रतिशत और दूसरे पर 19 प्रतिशत के लगभग उनके टर्नओवर पर हमारी रॉयल्टी होगी। इस तरह से रेलवे को कोई नुकसान नहीं होने वाला है। रेलवे को एक अतिरिक्त आय होगी और यह खास और विशिष्ट श्रेणी के लोग इस पर यात्रा करेंगे, आम आदमी नहीं। इसका अलग टैरिफ स्ट्रकचर है, उसके हिसाब से उस पर वे चलेंगे। जिस तरह से पैलेस ऑन व्हील्स चलाया जा रहा है राजस्थान टूरिज्म के साथ कोलैबोरेशन करके, उसकी मार्केटिंग राजस्थान टूरिज़्म करता है और रेलवे को उससे मुनाफा होता है। उसका एक हिस्सा

इसको मिलता है। उसी तरह से यह प्राइवेट ट्रेन, टूरिस्ट ट्रेन जो चलेगी, उससे मुनाफा होगा। जो हमारा एक्जिस्टिंग ट्रैफिक है, उस पर इससे कोई असर नहीं पड़ेगा। अलग किस्म के लोग इसमें आकर्षित होंगे।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

यूरिया का आयात

*246. **श्री गोपाल सिंह जी० सोंलकी:** क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत आठ महीनों में देश की कुल कितनी मात्रा में और कितने मूल्य का यूरिया आयात किया गया;

(ख) यूरिया का आयात किन-किन देशों से किया गया;

(ग) आयात किए जा रहे यूरिया की विशेषताएं क्या हैं;

(घ) क्या उस किस्म के यूरिया की देश में उत्पादन करने हेतु कोई कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला): (क) चालू वर्ष के दौरान अप्रैल, 98 से फरवरी, 99 तक 5.56 लाख मीट्रिक टन यूरिया का आयात किया गया है। आयातों का कुल मूल्य लगभग 240.50 करोड़ रुपये है।

(ख) देशवार यूरिया के आयात और इसकी मात्राएं निम्नानुसार हैं—

देश	मात्रा (लाख मीट्रिक टन)
सी०आई०एस०	1.92
कुवैत	0.49
कतार	1.03
सऊदी अरब	0.26
यू०ए०ई०	0.36
ईरान	1.50
योग:	5.56

† The Question was actually asked on the floor of the House by Shri Gaya Singh.

(ग) से(ङ) चालू वर्ष में आयात की गई यूरिया की संपूर्ण मात्रा प्रील्ड (दानेदार) यूरिया की है। यह उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 में निर्धारित किए गए विनिर्देशों के अनुसार है। देश में बनाई जा रही यूरिया की प्रील्ड (दानेदार) यूरिया है। तथापि, दानों के आधार तथा नमी के संबंध में आयातित यूरिया के लिए विनिर्देश स्वदेशी रूप से निर्मित यूरिया की तुलना में अधिक सख्त है।

Rail Connection between Talcher and Bimlagarh

*247 MISS FRIDA TOPNO: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have any propsoal to construct a rail line, connecting Talcher with Bimlagarh, during this financial year; if so, the total amount required for this project, the amount allocated during this financial year and the time-schedule for completion of the project; and

(b) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) and (b) A survey for a new line from Talcher to Bimlagarh has been taken up. The cost of the project will be known only after the survey is completed. Further consideration of the project would be possible once the survey report becomes available. Allocation and time of completion would arise only in case and after the project is sanctioned.

Health Programmes with WHO Assistance

*249. SHRI VEDPRAKASH P. GOYAL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what activities are being carried out in the area of Health and Family Welfare with the assistance of foreign countries and the WHO;

(b) what amount they are providing to different schemes, giving their break-up;